Need to set up maize-based bio-refinery for production of Ethanol in Guna Parliamentary Constituency, Madhya Pradesh-laid

श्री कृष्णपालसिंह यादव **(गुना):** गुना लोकसभा क्षेत्र एक आकांक्षी जिला है और कृषि के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण है। किसानों की आय दोगुनी करने के लिए बायो फ्यूल जैसे इथेनॉल का उत्पादन एक बहुत अच्छा माध्यम है क्योंकि इसका स्रोत किसानों द्वारा उगाई जाने वाले फसले जैसे चावल, गन्ना और मक्का है। आज पूरे विश्व में ethanol का 60 प्रतिशत उत्पाद मक्के से होता है लेकिन भारत में अभी भी प्रमुख तौर पर गन्ने का इस्तेमाल होता है जिसकी प्रति हेक्टेयर खेती के लिए 1400 मिली लीटर पानी इस्तेमाल होता है। गुना लोक सभा क्षेत्र में 7000 हेक्टेयर में मक्के की बुवाई होती है और इस वर्ष गुना, अशोकगार और शिवपुरी जिले में मक्के की रिकॉर्ड खेती हुई है और प्रतिदिन 25 से 30 हज़ार क्विंटल मक्का मंडी में पहुंच रहा है। मक्के के उत्पादन और उपलब्धता को देखते हुए गुना लोक सभा क्षेत्र में बायो रिफाइनरी स्थापित करने की अपार संभावनाएं है। मेरा सरकार से निवेदन है कि इथेनॉल के उत्पादन हेतु मक्के की उपलब्धता को देखते हुए गुना लोक सभा में बायो रिफाइनरी की स्थापना के लिए आवशयक कार्यवाही की जाए जिससे इथेनॉल के उत्पादन को प्रोत्साहन मिले और हम 2025 तक 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग के लक्ष्य को भी पूरा कर सके।